आर.एन.आई. रजि0 नं0 HRHIN/2003/10425
सृष्टि संवत् 1960853116 विक्रम संवत 2072
डाक पंजीकरण संख्या : RTK/10/2014-16

सेवा में

ओ३म्

आर्य प्रतिनिधि

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा का साप्ताहिक मुखपत्र दूरभाष: 01262-216222, Mob. 8901387993

महर्षि दयानन्द सरस्वती

E-mail : aryapsharyana@gmail.com
Website : www.apsharyana.org

विदेश में वार्षिक शुल्क : 75 डॉलर विदेश में आजीवन शुल्क : 300 डॉलर सम्पादक : मा० रामपाल आर्य

वर्ष : 12 अंक : 27 रोहतक, 14 दिसम्बर, 2015 वार्षिक शुल्क : 150/- आजीवन 1500/-

आर्य युवा महासम्मेलन विशेषांक

आर्य युवा महासम्मेलन में उमड़ा भारी जनसमूह

मा0 रामपाल आर्य मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा ने आर्य महासम्मेलन में 20,000 युवाओं के पहुंचने का जो लक्ष्य आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा ने रखा था आज युवाओं की उमड़ी भीड़ ने उसे पार कर डाला। उसके लिए मैं अपनी ओर से अन्तरंग सभा की ओर से आप सभी आर्य समाज के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं, सभी शिक्षण संस्थाओं, सभी गोरक्षा दल गोशाला संघ सभी सहयोगी संगठनों का धन्यवाद करता हूं तथा सफ ल महासम्मेलन की बधाई देता हूँ। आर्य महासम्मेलन का शुभ आरम्भ प्रातः यज्ञ से आरम्भ हुआ जिसके ब्रह्मा स्वामी धर्मदेव जी, आचार्य अभय आर्य निदेशक आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल पानीपत, श्री कर्मवीर मेधार्थी, जगदीश चहल व संदीप आर्य रहे।

डॉ0 देवव्रत जी महामहिम राज्यपाल हिमाचल प्रदेश व मुख्यमन्त्री मनोहरलाल खट्टर जब सम्मेलन स्थल पर पहुँचे तो उनका गर्मजोशी से स्वागत किया तथा जय-जयकार के नारों से पांडाल गूंज उठा। सम्मेलन के अध्यक्ष व मुख्य अतिथि को गुरुकुल कुरुक्षेत्र, गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ के बैण्ड के साथ उनको मंच तक लाया गया। मंच पर उनको फूल-मालाओं से लादा गया तथा सभाप्रधान आचार्य विजयपाल, सभामन्त्री मा0 रामपाल आर्य, सम्मेलन के संयोजक आचार्य योगेन्द्र आर्य, सह-संयोजक सर्वमित्र आर्य व प्रबन्धक आजादसिंह आर्य श्री कन्हैयालाल कोषाध्यक्ष ने पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया। आचार्य बलदेव जी प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, सभाप्रधान आचार्य विजयपाल, सभामन्त्री मा0 रामपाल आर्य,श्री कन्हैयालाल कोषाध्यक्ष ने उनको आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा की ओर से स्मृतिचिह्न भेंट किया। सभाप्रधान आचार्य विजयपाल जी ने सम्मेलन में पहुंचे अतिथियों, युवक-युवतियों, सभी आर्यजनों व गोभक्तों का स्वागत किया। आचार्य बलदेव जी ने सम्मेलन में उपस्थित भारी जनसमूह को अपना आशीर्वाद दिया तथा सम्मेलन में उमड़ी भीड़ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद किया।

मंच का संचालन आर्य युवा महासम्मेलन के संयोजक आचार्य योगेन्द्र आर्य ने किया तथा आचार्य सर्वमित्र आर्य व आजादसिंह आर्य उनके सहयोगी रहे। महासम्मेलन के अध्यक्ष डॉ0 देवव्रत आचार्य महामहिम राज्यपाल हिमाचल प्रदेश व मुख्य अतिथि श्री मनोहरलाल खट्टर हरयाणा सरकार ने आये हुए बीस हजार से अधिक युवक-युवतियों को सम्मेलन में प्रस्तुत विषयों–(1) यज्ञ व स्वच्छता अभियान, (2) नशामुक्ति, चरित्र-निर्माण, आर्य मान्यताएं, (3) भ्रूणहत्या, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, दहेज उन्मूलन, (4) गोरक्षा एवं देशभक्ति से जुड़ने का आह्वान करते हुए उन्हें शपथ दिलाई।

शेष पृष्ठ दो पर

स्वामी धर्मदेव जी, स्वामी सोमानन्द जी आचार्य कर्मवीर मेधार्थी, आचार्य अभय आर्य, जगदीश चहल, संदीप आर्य आदि यज्ञ करते हुए।

पृष्ठ 1 का शेष...

इस आर्य महासम्मेलन की विशेषता यह रही कि इसमें संयोजक, सहसंयोजक, प्रबंधक, मुख्यवक्ता तथा भजनोपदेशक जिनमें आचार्य योगेन्द्र आर्य संयोजक, आचार्य सर्वमित्र आर्य सहसंयोजक, श्री आजादसिंह आर्य प्रबंधक, आर्यजगत् के प्रसिद्ध वैदिक विद्वान् आचार्य सोमदेव, डॉ0 राजेन्द्र विद्यालंकार, प्रोफेसर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र तथा सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक श्री सुन्दर पांचाल पलवल, आचार्य रामदयाल आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा व कल्याणी आर्या हिसार सभी युवा रहे।

इस सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि परिवहन मन्त्री कृष्णलाल पंवार, श्री विनय आर्य उपमंत्री सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, विधायक महिपाल ढाण्ढा, विधायिका रोहिता रेवडी एवं विधायक रविन्द्र माच्छरोली भी उपस्थित रहे।

आर्य महासम्मेलन में मुख्यमंत्री की घोषणा -

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं तथा गोरक्षकों पर बने सभी दर्ज मुकदमे होंगे वापिस।

रानी लक्ष्माबाई खेल स्टेडियम की मदद के लिए आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल पानीपत को 21 लाख की मदद की घोषणा।

5 लाख परिवहनमन्त्री कृष्णलाल पंवार ने मदद की तथा लडकियों के आने जाने के लिए अलग बस सुविधाओं की भी घोषणा की गई।

मुख्यमन्त्री मनोहरलाल ने आर्य युवा सम्मेलन को बताया महासम्मेलन-

मुख्यमन्त्री मनोहर लाल खट्टर ने आर्य युवा महासम्मेलन में बोलते हुए कहा कि आर्य समाज ने दिलाया भारत को विश्वगुरू का दर्जा, उन्होने युवाओं को आह्वान किया कि जागो आर्य युवा, वेद संस्कृति को पहचानों अपनी संस्कृति को बचाने के लिए आपसी सभी भेद भुलाकर कार्य करें।

शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने में सरकार प्रयासरत है, उसमें आर्य समाज के योगदान की आवश्यकता है।

उन्होने कहा कि धार्मिक व सामाजिक संगठनों को एकजुट होकर देश भक्ति के सन्देश को नवयुवकों के दिल में उतारना चाहिए। स्वामी दयानन्द जी, वीर सावरकर, स्वामी श्रृद्धानन्द जी, लाला लाजपतराय जैसे महान शख्सियत के कारण ही आजादी का शंखनाद आगे बढा।

डा0 देवव्रत जी आचार्य ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विशाल आर्य युवा महासम्मेलन के आयोजकों

शेष पृष्ठ तीन पर

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी का फूलों के साथ स्वागत करते हुए सभा के पदाधिकारी।

हिमाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी के स्वागत में खड़े हुए सभा के पदाधिकारीगण।

हिमाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी के साथ मंच की ओर जाते हुए सभा के पदाधिकारीगण।

पृष्ठ 2 का शेष...

को बधाई देते हुए उनका धन्यवाद किया। उन्होनें महासम्मेलन में उपस्थित युवक-युवतियों से प्रतिज्ञा लेकर जाने को कहा कि जो आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा ने ये प्रमुख चार मुद्दे रखे हैं तथा आह्वान किया कि इन मुद्दों पर कार्य करते हुए प्रदेश में आर्य समाज के संगठन को मजबूत करें।

उन्होंने स्वच्छता, नशामुक्ति, शिक्षा, गोरक्षा आदि अनेक विषयों पर अपने विचार रखे। परन्तु जब उन्होनें देशी गाय पर निर्भर जीरो बजट की खेती पर चर्चा की तब तो पंडाल में सनाटा-सा छा गया। युवक-युवतियों तथा प्रत्यक्षदर्शी के रूप में आए आर्य समाजों से जुडे व्यक्तियों ने उनकी ओर ध्यान गाड दिया। उन्होने संक्षिप्त से बताया एक देशी गाय दिन में 10 किलो गोबर व एक लीटर मूत्र हमें देती है। उसको 200 लीटर पानी में घोल दो उसमें 5 किलोग्राम वृक्ष के नीचे की मिट्टी डाल उसे 3-4 दिन तक घोलते रहो और उसको एक एकड. जमीन में डाल दो इसमें कोई खर्च नहीं आया और एक एकड जमीन उपजाऊ हो गई। इसलिए एक गाय से जीरो बजट से 10 एकड तक की खेती बिना लागत के की जा सकती है।

डा0 देवव्रत आचार्य ने जब यह कहा कि आज मै जो कुछ हूँ आर्य समाज की बदौलत हूँ तो तालियों की गडगडाहट से पंडाल गुंज उठा तथा आए हुए युवक-युवतियों का आर्य समाज के साथ विश्वास ओर पक्का हुआ।

आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल पानीपत की प्रबन्ध समिति के प्रधान आजादसिंह आर्य ने आर्य युवा महासम्मेलन मे उपस्थित अतिथियों तथा युवाओं का अपनी ओर से, स्कूल प्रबन्ध समिति की ओर तथा प्रिंसिपल रेखा शर्मा , निदेशक अभय आर्य व समस्त स्टाफ की ओर से धन्यवाद किया। आर्य महासम्मेलन में प्रमुख व्यक्तियों में आचार्य बलदेव जी, आचार्य विजयपाल जी, मा0रामपाल आर्य, श्री कन्हैयालाल आर्य कोषाध्यक्ष, स्वामी धर्मदेव, स्वामी सोमानन्द, आचार्य ब्रह्मपुत्र नैष्ठिक, आचार्य ऋषिपाल गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, श्री धर्मवीर शास्त्री लोहारू, रोशनलाल आर्य, मा0 रामनिरंजन, बहन सुमित्रा आर्या, वीरेन्द्र पाढ़ा, उमेदसिंह शर्मा प्रधान आर्य वीर दल हरियाणा, वेदप्रकाश आर्य मन्त्री आर्य वीर दल हरियाणा, उमेद सिंह आर्य प्रधान वेद प्रचार मण्डल झज्जर डॉ0 गेन्दाराम, आचार्य ऋषिपाल, प्रो0 दयासिंह, प्रेमचन्द सैनी, रोहतास मलिक, सुधीर मलिक, राजेन्द्र आर्य, सुधांशु आर्य, ईश्वरसिंह कालवा, सतीश कालवा, वीरेन्द्र बुढ़ाखेड़ा, संजीव मुआना, यादवेन्द्र बराड़, दिनेश आर्य, सुनील आर्य, श्रीओम् गोयला, जयपाल कोच, अतर सिंह स्नेही, जगदीश शिवर सिरसा, डा0 जगदीश पीडीत गोशाला रोहतक, मा0 जिलेसिंह आर्य, मा0 रायसिंह, मा0 सन्तलाल सिरसा, खुबराम आर्य सिरसा, रामकुमार हिसार आदि शामिल रहे।

मास्टर रामपाल आर्य

रानी लक्ष्मीबाई खेल स्टेडियम का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी व उनके साथ में हैं महामहिम राज्यपाल हिमाचल प्रदेश आचार्य देवव्रत जी, परिवहन मंत्री कृष्ण लाल पंवार और सभा के पदाधिकारी।

आर्य युवा महासम्मेलन की झलकियाँ

आर्य युवा महासम्मेलन की झलकियाँ

आर्य युवा महासम्मेलन की झलकियाँ

आर्य युवा महासम्मेलन की सफलता

सभा प्रधान आचार्य विजयपाल जी व सभा मंत्री मास्टर रामपाल आर्य जनसभा को संबोधित करते हुए।

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा के तत्त्वावधान में दिनांक 6.12.2015 को आर्य बाल भारती विद्यालय पानीपत के खेल-मैदान में 'आर्य युवा महासम्मेलन' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की नींव आचार्य बलदेव जी व आचार्य विजयपाल जी के आशीर्वाद से मा0 रामपाल आर्य, मंत्री आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा ने रखी। आचार्य देवव्रत जी, महामहिम राज्यपाल हिमाचल प्रदेश, जो बहुत ही सुलझे हुए व्यक्तित्व के धनी हैं तथा सदैव ही आर्यसमाज रूपी संगठन में बड़ी बुद्धिमत्ता पूर्वक व सावधानी पूर्वक चलते आए हैं, उन्हें इस महासम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। सम्मेलन के प्रचार की बागडोर आचार्य योगेन्द्र अध्यक्ष गोशाला सघ हरियाणा व गोरक्षा दल हरियाणा ने संभाली थी। इस प्रकार इस महासम्मेलन की सफलता पहले ही तय हो गई थी।

यह आर्यों का सौभाग्य है कि आचार्य बलदेव जी का नेतृत्व अब तक उन्हें मिल रहा है। इस सम्मेलन की बहुत बड़ी संख्या रोहतक के गाँव खिड़वाली से एक गुरुकुल सिंहपुरा का पुराना विद्यार्थी मंजीत भी आया था। उसने सम्मेलन में ही मुझे बताया कि किसी भी आयोजन में आचार्य बलदेव जी का नाम सुनकर या चित्र देखकर लोगों में भारी प्रभाव पड़ता है, उसने कहा कि हमारे गांव में भी ऐसा ही प्रभाव हुआ।

मा0 रामपाल आर्य सभामन्त्री ने पूरे हरयाणा में बड़ी मेहनत से घूम-घूमकर आर्यसमाजों की मीटिंग ली। इस दौरान मैंने कभी उनके मुख पर थकान, तनाव के भाव नहीं देखे। उलझनों को हंसी में टालकर आगे बढ़ते रहे। आचार्य विजयपाल जी सदैव की भांति धीर-गंभीर रहकर बड़प्पन का परिचय देते हुए इस अभियान में अपना साथ देते रहे।

आचार्य योगेन्द्र जी सभा के प्रचार रथ द्वारा गांव-गांव व विद्यालयों में दिन में व शाम को प्रचार करते रहे। उनकी सभाओं द्वारा लोगों व युवाओं को विशेष उत्साह मिला।

महासम्मेलन में होर्डिंग्स, बैनर, भोजन, टैण्ट, इलैक्ट्रोनिक व प्रिंट मीडिया सम्बन्धी प्रबन्धन के साथ-साथ प्रचार में भी आर्य बाल भारती विद्यालय के प्रधान आचार्य आजादसिंह आर्य ने अपनी सफल भूमिका निभाई। सबका प्रयास था कि सम्मेलन में काफी भीड़ उमड़ पड़ी। सम्मेलन में युवाओं की यह भीड़ देखकर आर्यसमाज के प्रथम श्रेणी के वक्ता व विद्वान् श्री राजेन्द्र विद्यालंकार ने यह ऐतिहासिक उद्‌गार कहा–''यह

शेष पृष्ठ आठ पर

आर्य युवा महासम्मेलन में उमड़ा आर्य युवतियों का जनसैलाब।

शेष पृष्ठ सात.....

आर्यसमाज की जवानी का सम्मेलन है।'' मुख्यवक्ता आचार्य सोमदेव जी, ऋषि उद्यान अजमेर ने सदा की भांति अपने वक्तव्य से पूरे सम्मेलन में देशभक्ति के प्रति जहाँ श्रद्धा की लहर दौड़ा दी, वहीं दहेज जैसी बुराइयों के प्रति भी युवाओं के मन-मस्तिष्क को झकझोर कर रख दिया। मुख्य अतिथि श्री मनोहरलाल खट्टर, मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार ने खुले हृदय से आजादी और राष्ट्रोत्थान में आर्यसमाज के योगदान को स्वीकार किया।

अध्यक्षीय संदेश में आचार्य देवव्रत जी महामहिम राज्यपाल ने लोगों को रासायनिक खेती के बढ़ते हुए विष से बचने की प्रेरणा दी। कोई बुद्धिजीवी ही समझ सकता है यह कितना बड़ा संवेदनशील विषय है। इसके साथ ही महामहिम राज्यपाल ने गो-नस्ल-सुधार की ओर भी सबका ध्यान आकर्षित किया। सबसे प्रसन्नता की बात तो यह कि उन्होंने डी.ए.वी. की शक्ति को आर्यसमाज के प्रचार-प्रसार से जोड़ने की आशा जगा दी।

सबसे अधिक धन्यवाद तो उस गुमनाम संख्या व कार्यकर्त्ताओं का जो राष्ट्र, धर्म के प्रति श्रद्धा से खिंचे चले आते हैं। **प्राचार्य अभय आर्य**

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा के स्वामित्व में मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मा0 रामपाल आर्य ने दुर्गेश्वरी प्रिंटर्स, माता मन्दिर चौक, पाड़ा मोहल्ला, रोहतक से मुद्रित एवं कार्यालय, सिद्धान्ती भवन, दयानन्दमठ, रोहतक-124001 से प्रकाशित। पत्र में प्रकाशित लेखसामग्री से मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। प्रत्येक विवाद के लिए न्यायक्षेत्र रोहतक न्यायालय होगा। आपत्ति की अवधि प्रकाशन तिथि से एक माह के भीतर ही मानी जाएगी।